

श्रीमहालक्ष्मणो विजयने भादोवदी ८
 जन्माष्टमीको वारा सेवके लडुवानको भंग
 लाने लेके सयन पर्यंत मेदा सेर ५३ ताको
 घृत सेर ५३ खंड सेर ५६ सुगंधी तोला ३
 गोपाल बहन्न भमे फेंती मेदा से ५॥ चौरिछा
 सेर ५। घृत से ५॥ मिश्री की करणी से ५।
 सुगंधी ३ भर दही वड़ा की दार उर्द की से ५॥
 घृत से ५। खार अधिक की ताके चोरवा ५ =
 सुगंधी तो १। मीठे शाक की रवांड से ५॥

महाभोग की नाम गनी
 गेहूँ को रवा सेर ५७ घृत सेर ५७ खंड सेर
 ५७ मिश्र ३ मेदा सेर ५८ घृत सेर ५८ जदिन भट्टी प्र
 सेवके लडुवा ताको मेदा कोरो ५८ घृत ५८ जाहरे ता
 खंड ॥५ सुगंधी तो ३ दोई दिन देनो
 सकर पारा को मेदा सेर १।५२ घृत १।५२
 खंड १।५२
 मठरी को मेदा कोरो १५ घृत १५ खंड ॥५
 मेवाटी को मेदा ५२॥ तामे वदाम से ५॥ पि
 स्ता से ५॥ किसमिस से ५॥ मिश्री की करणी ५१

बा. सुगंधी तो. १ घन सेर ५२॥ पागवेकी खांड
 १ से. ५२॥ चिरोजी से. ५॥
 जलेवी ताको मेदा धोयो सेर ५४ घन से. ५४
 खांड सेर ५८ केशर तो. १
 फेंनी ताको मेदा सेर ५४ चोरीठा सेर ५४ घन
 सेर ५८ खांड सेर ५४ केशरीन थांसुपेत
 दोनो की केशर तो. = पोन पिस्ता की पाचरी तो. १०
 वावर धोयो मेदा सेर ५४ घन सेर ४ खांड
 सेर ५४ केशरीन थांसुपेत दोनो को मिल के
 केशर तो. पोन सुगंधी तो. पोन
 इंदरसा चोरीठा सेर १॥ डेट मेदा सेर ५॥ पाव
 घन सेर ५१॥ डेट खांड धारेली सेर ५॥ नोन तो.
 मेखसरवस ५॥ = पाव डेट
 मनोहर के लडुवा धोयो मेदा १॥ डेट सेर चो
 रीठा सेर ५॥॥ पोन घन सेर ५२॥ सवादो खांड
 सेर ५६ वरास की सुगंधी तो. ५=
 मेसूर ताको वेसन सेर ५२ घन ५२ खांड ५२॥
 छूटी बूंदी ताको वेसन १५ घन मन १५ खांड
 ३ मन १५

बंदीके लडुवा ताको वेसन सेर ५५ घनसेर ५५

खांडसेर ५५ केसरनो- २ सुगंधी तो- ४ मि

श्रीकी करणी ५॥॥ द्राखसेर ५॥॥

थली ताको रवासेर ५१ घनसेर ५१ खांड ५२

सुगंधी तो- ॥ ३ प्राध द्राख ५३

मेदाकी पूरी मेदासेर ५२ घनसेर ५१

फीकाको वेसन सेर ५४ घनसेर ५२

चना फड़फड़ी सेर ५॥ घन ५॥

चनाको दाग सेर ५॥ घन ५॥

छाछक वड़ा ताकी दाल उरदकी सेर ५१॥॥ ताको

घन ५॥॥ = राममोग सुहाया दामे दही से ५८

खीरके चोखा = पोनपा खांडसे ५१ दूध से ५६

सुगंधी तो- ॥ ३ प्राध

संजावकी खीर तामेगेहूंको रवा ५३ पोनपा खांड

से- ५१ दूध सेर ५६ सुगंधी तो- ५ प्राध

सिरवरन बड़ी ताकी मूंगकी पिठी १२ पाव डेट

चोरीठा १२ डेट पाव घनसे ५॥॥ पोनखांड ५४

सुगंधी तो- ॥ ३ प्राध

पजीरी ताको सोहकी बुकनी सेर ५३ अजमायन

५३ पोनपा धारणा ५३ पोनपा जौरा ५३ प्राध पाव

का- वरीयारणी ५ = प्राधपा नामेधी कटेरीकोसेर ५४
२ बरासेर ॥५

जन्मसमयसीनजभोग पराग नाकी मिश्री ५ ॥

नीनपाव सुगंधीवरासवाल नीनरलकी तो. पोन
भुजेनाको बेसन सेर ५२ घृतसेर ५१

सधानासूके खारक ५ = द्राख ५ = पीपर ५ =
कालीमिरच ५ =

हरे सधाना प्राठ दोनोनको मिलके मीठो तेल
सेर ५६ लोनसेर ५६ पिस्पो

भुजमेवा वदास ५। पिस्ता ५। मखाना ५। = धि
रोजी ५। कौल्हाके बीज ५। खरबूजाके बीज ५।
भादोवदी ५

वारो तथा गोपाल वदत्रभ ठोर सुठरी गूना महाभोग
की सांमगती नेते राखे होय नाको प्रोर श्रीगिरधर
लालको जन्मदिवस नामे वीरा गोपाल वदत्रभ प्रधि
कीको सेवके लडुवाको मेदासेर ५॥ घृतसेर ५॥

खांडसेर ५१॥ डेट सुगंधी नोला पो न

भादोवदी १४

श्रीकाका वदत्रभजीको उत्सव वारा तथा गोपाल

बहन्नभ बंदी जलेबीको मेदा सेर ५२ वेसन सेर ५२
 खांड नेर ५८ घृत सेर ५४ केशर तो-पोन बड़ा की
 छाछ की हांडी ताकी दाल उर्द की सेर ५॥ अर्ध घृत
 सेर ५। पाव दही सेर ५४

भादो सुदी ५ श्रीचंद्रावलीजीको उत्सव

तादिन गोपाल बहन्नभमे मनोहरके लडुवा धो
 यो मेदा सेर ५॥॥ पोत घृत ५॥॥ सेर पोत खांड सेर
 ५२। सवादो सुगंधी बरास वाल ५

भादो सुदी ८ श्रीरक्षाएमी

तादिन बारो बंदीके लडुवाको वेसन सेर ५३ तीन
 घृत सेर ५३ खांड सेर ५८ केशर सेर ५। पाव
 दार ५। पाव सुगंधी तो-३ केशर तो-१
 उत्सवकी सामग्री सुतर फेनीके मरीत थांस्वेत
 मेदा सेर ५३ घृत सेर ५३ खांड सेर ५६ केशर
 तो-अर्ध पिस्ता तोला ५ सिरवरन बड़ी मृंगकी
 पिछी ताकीदार ५= चोरीठा ५= घृत सेर ५। पाव सिरवरन
 बरास वाल ५ बड़ा की छाछ की हांडी ताकीदार
 उर्द की सेर ५॥ घृत सेर ५। दही सेर ५४
 अधिकी मेरवीर ताके चोरवा ५- दूध सेर ५२

बा.

३

भुजेनकोवेसरा सेर ५॥ घनसेर ५।

मीठेशाक कीरवांड सेर ५॥

पजीरीकीसामग्री सोठकीवुकनी ॥३ धनीया ३

वरीयारी ३ अचमायन ७ जीरा ३ घनसेर ५१

बरासेर ५५

मेवाभुजे बदाम ५ = पिस्ता ५ = चिरोजी ५ = मरवा

ना ५ - ॥ कोहाकेबीज ५ = खरबूजाकेबीज ५ =

ताकोघन ५ = पावडेठ

सधानाशके पीपर ५ = मिर्च ५ = खारक ५ = द्रा

व ५ = नीलेचाराजाके ताकोनेलेसेर ५१ लो.से. ५१

विलसारु (भादोसुदी) खंड ५॥ सेरुप्राध

नया नीलेमेवासकरहके

॥ भादोसुदी ॥

तादिन गोपालन बदनभसेबकेलडुवा मेदासेर ५॥

पोंन घनसेर ५॥ पोंन खंडसेर ५१॥ डेट सुगंधी ॥ भर

भादोसुदी ॥ ११॥ दानरगकादसी ॥

तादिन गोपालन बदनभमे मनोहरकेलडुवा ताको
घोयोमेदा सेर ५॥ प्राध चोरीठा सेर ५। पाव घनसेर

॥॥ पोंन खोंडसेर ५२॥ सवादे वरासवाल २ मिश्री
कीकरगी ५॥ ॥ प्राधपा मीठेशाक कीरवांडसेर ५॥ ॥ प्राध

भादोसुदी ॥ १२ ॥ वामनद्वादशी ॥

तादिन गोपालवद्वत्रभ खोवा के गंरा मेदासेर ५॥॥
पोंन खोवाको दूधसेर ५५ घन सेर ५॥॥ पोंन खो
वामेमिलाइवेको बरासेर ५१॥ सवा गुंजापागवे
कीरवांड सेर ५॥ ॥ प्राध सुगंधी ३ भर मीठेशाक
कीरवांड सेर ५॥ ॥ प्राध पराकीरवांड सेर ५॥ ॥ प्राध
सीतलभोगको मिश्रीसेर ५॥ ॥ प्राध सुगंधी ३ भर
दोनो पराकी श्रीगोकुलनाथजीमहाजको जन्म
दिवस चारो सेवक लडुवाको मेदासेर ५३॥॥ पोंन
चार घन सेर ५३॥॥ पोंन चार खोंडसेर ५७॥॥ सा
देसान सुगंधी नो ३ तीन गोपालवद्वत्रभ जन्म
दिनको जलेवी मेदासेर ५॥॥ घन सेर ५॥॥ पोंनो
खोंड सेर ५१॥ सवादे केशर नो ॥ भर

॥ भादोसुदी ॥ १३ ॥

तादिन दादाजी श्रीगिरधरजीको उत्सव
गोपालवद्वत्रभ जलेवी मेदाधोयोसेर ५॥॥ घन
सेर ५॥॥ खोंड सेर ५१॥ सवा केशर नो ॥

बा -

॥ आसोज वदी ॥ ४ ॥

४

श्रीगोकुल उत्सवजी नानजीको उत्सव

नादिन गोपालवदत्रभ बूंदीके लडुवाको ताको
वेसन सेर ५॥ घृतसेर ५॥ खांड सेर ५२।

सुगंधी इलायची तो - ॥ केशर तो - पाव

आसोज वदी ॥ ६ ॥

श्रीविठ्ठलेशजी नातजी श्रीकाकावदत्रभजीके

नांती नादिन गोपालवदत्रभमे मनोहरके लडु
वा ताको मेदा पोटीयाको सेर ५॥ घृतसे ५॥

खांडसेर ५२। बरस वाल २ करणीमश्री ३ भर

आश्विन वदी ॥ ८ ॥

श्रीमहाप्रभजीके पौत्र श्रीपुरुषोत्तमजीको उ०

नादिन हांडी मल्ला

आश्विन वदी ॥ १० ॥ वड़े

श्रीगोपीनाथजीको उत्सव नादिन हांडी मल्ला

आश्विन सुदी ॥ १ ॥ नवरात्रारभ

नादिन गोपालवदत्रभ मनोहरके लडुवा ताको

मेदासेर ५॥ चोरीठासेर पाव घृतसेर ५॥ खांड

सेर ५२। बरस वाल २ मिश्रीकी करणी ३ भर

आसोज वदी ॥ ४ ॥ नादिन गोपालवदत्रभजीको उत्सव नादिन हांडी मल्ला ताको
मेदासेर ५॥ घृतसेर ५॥ खांडसेर ५२। बरस वाल २ करणीमश्री ३ भर
आश्विन वदी ॥ ८ ॥ श्रीगोपीनाथजीको उत्सव नादिन हांडी मल्ला
आश्विन वदी ॥ १० ॥ वड़े श्रीगोपीनाथजीको उत्सव नादिन हांडी मल्ला
आश्विन सुदी ॥ १ ॥ नवरात्रारभ

मीठे शाककी खांड सेर ५॥ बड़ाकी हांडी ताकी
दाण ५॥ घृतसे-५।

आश्वन सुदी २

तादिन गोपाल बहन्नभ मेसि खोरी ताकी मेदो ५॥

घृत से-५॥ खांड सेर ५१॥ सुगंधी वरासवाल २

आश्वन सुदी ॥ ३ ॥

गोपाल बहन्नभ मे बूंदी केल दुवा ताको वेसन सेर

५॥ घृत ५॥ खांड से- ५२॥ सुगंधी तोला पौन

करागी ३ भर किसमिस ३ भर

आश्वन सुदी ॥ ४ ॥

ढोकेन श्रीदामोदरजी कोउत्सव गोपाल बहन्नभ

मे वावर ताको मेदा ५॥ घृत सेर ५॥ ब्राह्मण सेर

५॥ सुगंधी ३ भर

आश्वन सुदी ॥ ५ ॥

तादिन गोड़ पापड़ी मेदा सेर ५॥ घृत ५॥

खांड सेर ५१॥ सुगंधी तोला प्राध

आश्वन सुदी ॥ ६ ॥

गोपाल बहन्नभ मे दूध पूवा मेदा सेर ५॥ घृत

से-५॥ खांड सेर ५॥ दूध सेर ५२ सुगंधी

तोला पौन

बा.

आश्विन सुदी ॥ ७ ॥

५

गोपाल वदत्रभमे पपची ताकोमेदासेर ५॥॥

घन सेर ५॥॥ खांडसेर ५२॥ सुगंधी वरास बाल २

तादिन लालजी श्री हरिरायजीको जन्मदिवस

तको गोपाल वदत्रभ सेवकेलडुवा ताकोमेदा

सेर ५॥॥ घन सेर ५॥॥ खांडसेर ५१॥ सुगं

धी तोलाफोन

आश्विन सुदी ॥ ८ ॥

गोपाल वदत्रभमे दहीको मनोहर ताकोमेदा

सेर ५॥॥ घन सेर फोन ५॥॥ चोरीसेर ५॥ खांड

सेर ५२॥ वरास उभर

आश्विन सुदी ॥ ९ ॥

गोपाल वदत्रभमे दहीघरा ताकोमेदासेर ५॥॥

घन सेर ५॥॥ वरास सेर ५॥॥ सुगंधी तो ॥॥

आश्विन सुदी ॥ १० ॥ विजय दशमी

तादिन वडे श्री मुलीधरजीको उत्सव आरेव

दिनको वारा सेवकेलडुवाको ताकोमेदापोटी

याको सेर ५३ घन सेर ५३ खांडसेर ५६ सु

गंधी तो - ३ मिश्रीकीकणी सेर ५॥ गोपाल व

धनमेखोवाके गूरा ताको पेदा सेर ५॥ घृत
 सेर ५॥ खोझा दूध सेर ५ को करणी मिश्री की सेर
 ५॥ सुगंधी तोणोर ॥ गूरा पागि वे की
 खंड सेर ५१॥ खीरि ज्योटी ताके गोखा ७ भर
 सुगंधी तोला ७ खांड सेर ५॥ दही बड़ा की हां
 डी ताकी दात उदे की सेर ५॥ घृत सेर ५॥
 दही सेर ५३ मिठे शाक की खांड सेर ५॥ श्री
 मुली धरजी के दूध के कारण सो गोपाल वस्त्र
 म बंदी सक पाकर मेरा सेर ५॥ बेसन सेर ५॥
 घृत सेर ५१ खांड सेर ५१॥ ये गोपाल वस्त्र धउत्स
 व जुदा होई नादिन आवे नही दूध हरा के संग
 लाह को जवारा धरे तब भोग आवे ताके मां ^{पाछे} कामे
 दा सेर ५५॥ सादे पंद्रह ताको घृत ५५॥ सादे
 पंद्रह खांड सेरे ॥ ५२॥ सादे बावीस सादे द
 श सेरे दशमाट बड़े बनावने तथा पांच सेरे के नग
 २० छोटे रूपन के नादिन बवाय राधराय के
 अनकूट की भट्टी पूजा करनी ^{ताको मैदी दूध} गूरा सेर बीस ॥ ५
 खांड सेर ॥ ५ घृत सेर ॥ ५ काली मिर्च आरबी से
 र ५॥

बा.
६

आश्विन सुदी १५ शरदोत्सव

तादिन गोपाल बट्ट भमे मनोहर के लड्डू तकोधो
योमेदा सेर ५॥ चोरीठा से ५। घृत सेर ५॥। खांड
सेर ५२। बरसवाल २ मिश्रीकी करणी ३ भर
मीठे शाक की रबांड सेर ५॥ उत्सव की सांभरी
धेवर को मेदा धोयो सेर ५१ ताको घृत ५१ खांड
सेर ५३ बरसवाल २ मीठी कचोरी मग के
पिठी सेर ५॥। घृत सेर ५१ मेदा ५। = खांड सेर
५३ मिश्रीकी करणी ३ भर केशर ३ भर इला
इची नीला ॥॥ पौन चोरीठा को मगद चोरीठा
सेर ५१॥ घृत सेर ५१॥ बरस सेर ५२। सुगंधी ॥
भर गुलशानी रवाजा मेदा धोयो सेर ५॥ घृत से
५१५ चोरीठा ५। = बरस सेर ५१ सुगंधी ॥॥
सिरवरन वड़ी मगनीदार नीमिठी ५। चोरीठा ५।
घृत सेर ५॥। खांड सेर ५१ सुगंधी तो ॥॥ सिख
रन सेर ५३ फीकी कचोरी उर्दकीदार सेर ५॥
घृत सेर ५॥। मेदा कोरो सेर ५॥। हींग मिरच
फीके गूरा शोला के हरे चोरा सेर ५॥। घृत सेर ५॥
मेदा सेर ५॥। हींग मिरच छाश्के वड़ा की हांड़ी

दाल सेर ५॥ घृत सेर ५। दही सेर ५३
 मेदा की पूरी मेदा सेर ५१ घृत सेर ५॥ चना फड़
 फड़ीया चरागा सेर ५॥ चरागा की दाल सेर ५॥ घृत
 सेर ५॥ संजाव की खीर दूध सेर ५४ गेहूं कोरवा
 ३ भर खांड सेर ५॥ सुगंधी नो-॥

मीठे शाक की खांड सेर ५॥ भंजे मेवा वदाम ५।
 पिस्ता ५। चिरोंजी ५। कोल्हा के बीज ५। खरबूजा
 के बीज ५। मरवा ५॥ डेह आना भर

कार्तिकवदी ३ चौथी तान जीश्री गोकु
 लनांजी को उत्सव गोपाल वदत्रम मे जलेवी
 मेदा धोयो सेर ५॥ घृत सेर ५॥ खांड सेर ५२।
 केशर नो-॥ घाछ के बीज की हांडी
 उर्द की दाल सेर ५॥ घृत सेर ५। दही सेर ५३
 मीठे शाक की खांड ५॥

कार्तिकवदी ४ टी के नको श्रंगार
 गोपाल वदत्रम मे मनोहर के लडुवा नाको मेदा धोयो
 सेर ५॥ चेरिठा सेर ५। घृत सेर ५॥ खांड सेर ५२।
 वरास बाल २ कंठागि मिश्री की ५ =

कार्तिकवद १० गोपाल वदत्रम मे सेव
 के लाडू नाको मेदा सेर ५॥ घृत से ५॥ खांड से ५१॥

बा.

७

सुगंधी तो- ॥॥ मिश्रीकरणी ५ =

कार्तिकवदी ११ गोपालवदत्रभमेवूरी
केलडुवा नाकोवेसन सेर ५॥ घनसेर ५॥ खं
इसेर ५२। मिश्रीकीकरणी ५ = किशमिस ५ =
केशर तो- ॥ सुगंधी ॥॥

कार्तिकवदी १२ गोपालवदत्रभमे
मेवाटी नाकी वदामपिसीसेर ५। पिल्लापिसेसेर
५। किसमिस ५। मिश्रीकीकरणी सेर ५॥ सु
गंधी तो- ॥॥ पागवेकी खांड सेर ५॥ आजसूफी
काफे हारकीसेवाइ सोभाइइजनाइ

कार्तिकवदी १३ धनरस
गोपालवदत्रभमेफेरी मेदाघोयोसेर ५॥ चोरी
ठासेर ५। घनसेर ५॥ खांडसेर ५२। पिल्लाकी
पाचरी तो- ३ मीठेशाककीखांड सेर ५॥ संजाव
कीखीरे नाकोद्रधसेर ५४ खांडसेर ५॥ गेरूको
रवा ५ = सुगंधी तो- ॥

कार्तिकवदी १४ रूपचोदस
गोपालवदत्रभमे पूवा नाकोचनसेर ५॥ घन
सेर ५॥ गुड़सेर ५॥ चुरोजी ५ = मीठेशाक
कीखांड सेर ५॥ घाघकेवड़ाकीहांड़ी नाको

दाल सेर ५॥ घनसेर ५। दहीसेर ५३ संजख
कीरवीरि ताको दूधसेर ५४ खांडसेर ५॥ गेंडू
कोरवा ५ = सुगंधी नो-॥ हंडी मलड़ा

कार्तिकवदी ३० दिवारी

प्राखेदिनको वारा सेवके लडुवाको मेदाकोरो
सेर ५३ घनसेर ५३ खांडसेर ५६ सुगंधी तो ३
गोपालवदत्रभमे दीवड़ा ताको मेदा सेर ५॥
घन ५॥ खांडसेर ५॥ मीठे शाककी खांड ५॥
घाघके बड़ा कीदार उहिको सेर ५॥ घनसे-५।
दहीसेर ५३ रबी अधिकीमे दूधसेर ५४
चोरवा ५ = खांडसेर ५॥ सुगंधी नो-॥ हंडी

मलड़ा

विरीया हंडी

मगनी अलकूटकी सांमगनीमे सांप्रावे तामे हंडी
मलड़ा भूजेमेवा बदाम ५। पिस्ता ५। चारो
ली ५। कोल्हाके बीज ५। खर बड़ाके बीज ५।

मखाना ५-॥

वा.

कार्तिक सुद १ अन्नकट

८

राजभोग गोपाल बहन्नम धांसकेलडुवा उर्दकी
पिठ्ठीसेर ५॥ चोरीठा ५॥ घृतसेर ५॥॥ खंडसेर ५२॥
बरास वाल २ मिश्रीकी करी ५ = मीठोशककी
खंड ५॥ खीर डोढी नाको दूधसेर ५२ चोखा ५-
सुगंधी तो- ७ खंड ५॥

अन्नकटकी सामग्री

गुलाकोरवा सेर ॥५ नाको घृत ॥५ खंड ५॥ ये
दस हारके दनदी नीजाय है गंजाको मेदासेर ॥५५
घृत ५५
मछड़ीको मेदासेर ॥५५ घृत ॥५५ खंड १॥५
सेवके लडवा मेदासेर ॥५५ खंड १॥५ दूधगोसे- ५१॥
सुगंधी तो- ४ घृत ॥५५
सकरपारा मेदा ॥५५ घृत ॥५५ खंड ॥५५
पेरणी केशरी तथा सुपेन मेदासेर ५८ चोरीठा ५४
घृतसेर ५२ खंडसेर ५२ केशर तोला १॥॥ पि
स्ताकी कचरी तो- १०
मेवाटी मेदासेर ५४ करीसेर ५३ घृतसे- ५४
बदाम ५॥ पिस्ता ५॥ चाहेली ५॥ सुक्किशमिश
५॥ सुगंधी तो- १॥

इंदरसा चोरीठासेर ५३ मेदा ५॥ घृत ५३॥ खंड
चोरेली सेर ५४ खसरबस ५॥

दीवड़ा मेदासेर ५७॥ घृत ५७॥ खंड ५७॥

गुड़केगुड़ा रवासेर ५२॥ मेदासेर ५३ घृत ५५॥

गुड़ ५२॥ कालीमिर्च ५=

कपूरनाड़ी मेदासेर ५५ चोरीठा ५२॥ घृत ५७॥

मिश्रीपिसी ५७॥ बरास १॥ लोंग ५॥

मनोहरकेलडुवा धोयोमेदा ५३॥ चोरीठा ५१॥ घृत
५५॥ खंड ५५ बरास बाल ५

वावरकशरी तथा सुवन मेदाधोमेदासेर ५८ घृत ५८
खंड ५८ सुगंधी नो. २ केशर नो. १॥

जलेबी धोयोमेदा ५५ घृत ५५ खंड ५५ केशर नो. १॥

घेवर धोयोमेदा ५५ घृत ५५ खंड ५५ बरास बाल ५

धांसकेलडुवा उर्दकीपिठी ५२ चोरीठा ५२ घृत ५४

खंड ५६ सुगंधी करणी ५१= बरास बाल ५

खनमंडा मेदासेर ५५ घृत ५५ चोरेलीखंड ५७॥

लवंगको ब्रका ५१=

छूटीबूदी वेसन १५ घृत १५ खंड १५

बंदीकेलडुवा वेसन १५ घृत १५ खंड १५ सुगंधी नो. १॥

करणी ५॥ किस्मामिस ५॥ केशर नो. ३

बा.
६

जालीकोमोहनधार वेसन ५५ घन ५५ खांडचा
रीने ५६। गोरधन पूजाकोकुनवाडो
दोरकोमेदा सेर ५२ घन ५२ खांड ५४
सेवकेलडुवा मेदा ५२ घन ५२ खांड ५६ सुगंधीतो-
प्राध मिश्रीकीकरागी ५।

मोहनधार वेसन ५५ घन ५५ खांड ५५ करगीछे-
५॥ केशर तो- १॥ सुगंधीनो- २ पिस्ताकीपाचरी
नो- १०

मगद वेसनको वेसन ५४ घन ५४ खांड ५६ सुगंधीनो-१

मगद चोरिठाको चो ५४ घन ५४ खांड ५६ सुगंधीनो-१

मगद मंगकीपिठीको पिठी ५४ घन ५४ खांड ५६
सुगंधीनो-१

मगद उदकीपिठीको पिठी ५४ घन ५४ खांड ५८
चासनीकारे सुगंधीनो- ९ केशर तो- ॥ इधको
मावा सेर ५१॥

खाजा गुजराती मेदा ५३ चोरिठा ५१॥ घन ५४॥

दूरा सेर ५४ सुगंधीनो- १

सारा धोयोमेदा ५५ घन ५५ पिस्ताकीपाचरीनो-५
खांड ५५

६

गगन ताकोमेदा ५५ घन ५५ खंड ५५

बड़ीसेवा सिरवर गेहूकोरवा ५४॥ गुड़ ५४॥ दू

नै ५४॥ गंराको रवासेर ५८ खंड ५८ घन ५४॥ रोनो
मिलके

मेदा ५८ मिरचकाली ५॥ चोरीठासेर ५२

मुखविलास बेसरा ५॥ मेदाधोपो ५॥ घन ५९

कसूरी बाल टाई करागी ५॥ = चोरीठा ५॥ वदाम

५ = पिसा ५ = केशर तो- । तबंग ७ भर दारव ५ =

तवापूरी बेसन ५॥ मेदा ५॥ घन ५९ केशर तो- ।

करागी ५ = कसूरी बाल १॥ खंड ५३

सिरवरन बुड़कल बेसन ५॥ घन ५९ मेदा ५॥

केशर तो- । करागी ५ = खंड ५९॥ टाई

मालपूवा दोऊ जानके चोरीसेर ५५ गुड़ ५२॥ खंड ५२॥

घन सेर ५५

सिरवरन बड़ी पिछीसेर ५॥ चोरीठा ५॥ घन ५९

खंड ५५ सुगंधी तो-॥ दहीसेर ५५

सरजमंडा बेसन ५॥ मेदा ५॥ घन ५९ केशर तो-॥

वदाम ५ = पिसा ५ = कसूरी बाल ९ खंड ५३

सुहारी दोऊ जानकी मेदासेर ५५ घन ५२॥ केशर

तो-॥

पूरीकोमेदा ५२ घन ५९

बा. चकुली उर्दकीदार ५२ चोरीठा ५२ घत्त ५४ ती

१० नसेरतिल

थलीदोजातकी रवो ५२॥ गुड़ ५२॥ दूसरेरवो

सेर ५२॥ खांड ५२॥ घत्त ५५

छाछकेवड़ा उर्दकीदाल ५२ घत्त ५१ दही ५

फीकाकोवेशन ५६॥ फीकापांचजातको भुजेनाको घत्त ५३

वेसन ५७ घत्त ५३॥ भुजेना च जातके करने

वड़ा उर्दकोभरड़ा सेर ५४ घत्त ५२

मगोड़ा मगफभरड़ा सेर ५३ घत्त ५१॥

चनाफड़फड़ीया चणा ५१ चणाकीदार ५१ ताको
घत्त ५१

रवीर ४ जातका चोरक ५१

गेंहूँकोरवा ५३ सेव ५१ मरिक्कामेदा ५॥

चास्यो रवीरको दूध ॥ ५२ खांड ५८ सुगंधीतो ३

भुंजेमेवा बदाम ५१ पिस्ता ५१ चिरेजी ५१

कोल्हाकेबीज ५१ खरबूजाकेबीज ५१ मरवाना ५१

मीठेशाककीखांड सेर ५२

सधानाहरेरके दोनोजातके आठ

हरिमिर्च ५१ पीपर ५१ द्राख ५१ खारक ५१

हरेआठ सेर ५४ के इनकोसवमिलके नेल ५७॥ मीठो

कार्तिक सुद २ भाईदूज

वारा नथांगोपाल बहन्नभ अपनकूटकीसामग्री
मेसो मठरी नथांसेबके लडुवा नथांगरुा येराखि
लेनो सो वारामे और गोपाल बहन्नभमेमनोहर
धोयोमेदा ॥ चोरीठा ॥ घन ॥ खंड ॥ २।
वरास बाल २ करणी ॥ अधिकी करीरबीर नाको
दूध ॥ २ चोरवा ॥ खंड ॥ सुगंधीनो-पाव
दही बडाकी दास उदेकी ॥ घन ॥ दही ॥ ३। मी
ठेशाक की खंड ॥

कार्तिक सुद ७ लालजीजीवनेशजी
कोजन्मदिन गोपाल बहन्नभ सेवके लडुवा
मेदा ॥ घन ॥ खंड ॥ १॥ सुगंधीनो-पाव
करणी ॥

कार्तिक सुद ८ गोपालजी

गोपाल बहन्नभ मनोहरके लडुवा नाकोमेदाधोयो
॥ चोरीठा ॥ घन ॥ खंड ॥ २। करणी ॥
वरास बाल २ रबीर नाको दूध ॥ २ चोरवा ॥
खंड ॥ सुगंधीनो-पाव मीठेशाक की खंड ॥

कार्तिक सुद ९ प्रक्षय नोमी

वा.

११

तादिन गोपाल बहन्नम ब्रंदीके लडुवा ताको बेसन

५॥ घृत ५॥ खांड ५२। केशर ॥ ~~क~~

किशमिस ५ = करी ५ = सुगंधीनो ॥

कार्तिक सुद ११ प्रबोधनी

तादिन गोपाल बहन्नम ब्रंदी सकरपारा ताको वे

सन ५॥ मेदा ५॥ घृत ५१ खांड ५१ अ-खीर

मंडकके भोगमे ~~बि~~ ^{ताको ५५ ५२ को ५ - खांड ५॥ सुगंधी ५} सकरपारा ताको मेदा ५२

घृत ५२ खांड ५२ मीठ शाककी खांड ५॥

अवजाग ~~रा~~ ^{Brihanmandiracharya} के भोगकी जलेबी मेदा ५३ घृत

५३ खांड ५८ केशर ॥ छूटी ब्रंदी बेसन ५२॥

घृत ५२॥ खांड ५२॥ बड़ा की हाड़ी ताकी दाल

उर्दकी ५५ घृत ५१ दही ५३ सिरवरन बड़ी

मगकी पिछी ५१ खीरीठा ५१ घृत ५॥ खांड ५१

सुगंधीनो ॥ दही सेर ५४

कार्तिक सुद १२ श्रीसिद्धरजीको उत्सव

तादिन बारो नयांगोपाल बहन्नम ब्रंदी जलेबीको

नामं श्रीमहाप्रभुजीको गोपाल बहन्नम भेरो ताको

मेदा धोयो ५३ खांड ५८ घृत ५३ केशर ॥ वे

सन सेर ५३ खांड ५३ घृत ५३ सिरवरन बड़ी

मूंगकीपिछी ५ = चोरीठा ५ = घृत ५। दही ५४ सु
गंधीनो-॥ खंड ५१ मेदाकीपूरी

मेदा ५१ घृत ५॥ संजावकीखीर गेरूकोरवा ५ =
दूध ५४ खंड ५॥ सुगंधी ॥

छाछकेबड़ाकी हंगरी दालउर्दकी ५॥ घृत ५।

दही ५३

मीठे शाककी खंड ५॥

भंजेमेवा बंदम ५ = पिसा ५ = चिरोजी ५ = को

ल्हाकेबीज ५ = खरबूजकीबीज ५ = मसूना ५-॥

मसूना खारक ५ = मिरच ५ = फीर ५ = दूध ५ =

साकघरपेसो चार तिनकोने ५१ मीठो

मगसरबद २ गोपमास प्रारंभ

बड़े बाजभोग मन्ने हरके लडुवा ताकोमेदाधोयो

सेर ५२॥ चोरीठा ५१। घृत ५३॥ खंड ५१। स

वाझारह बरस ॥ करणी ५।

मगसरबद २

तादिन बाराकी तिलसांकरो ताकोमेदा ५३॥

घृत ५३॥ खंड ५७॥ सुगंधीनो-३

मगसरबद ३

धा- तादिन वारामठरीको मेदा ५३॥ घत ५३॥ खांड
१२ ५७॥ मगसरवद ४

प्रारवेदिनको वारा मनोहरको ताकोमेदा ५२॥ चो
रीठा ५१॥ घत ५३॥ खांड ५१॥ वरासतो. पाव
करी ५॥ मीठेशककी खांड ५॥ सातस्वरूपको उत्सव

मगसरवद ५

तादिन वारा फेनीको धोयोमेदा ५२॥ चोरीठा
५१॥ घत ५३॥ खांड ५७॥ पिस्ताकी पाचरीतो. ५

मगसरवद ६

तादिन बूंदीके लहवा बेसन ५३॥ घत ५३॥ खांड
५१॥ सुगंधीतो. ३ केशर तो. १॥ करी ५॥ राख ५॥

मगसरवद ७

तादिन उपरेठा मेदा ५२॥ चोरीठा ५१॥ घत ५३॥
बूराभुरकाइके ५७॥ सुगंधीतो. ३

मगसरवद ८

बड़े श्रीगोविंदरायजीको उत्सव तादिन वारामी
ठीकचोरी ताकी मंगकी पिछी ५३॥ मेदा ५१॥ घ
त ५३॥ खांड ५७॥ केशर तो. १ वरास ॥ हांडी
मलड़ा

मगसर वद ८

तादिन वारा गूनाका ताको रवा ५२ मेदा ५३॥ घ
न ५३॥ खांड ५२ पागवेकी ५३॥ मिरच ५२

मगसर वद ९०

तादिन सकरपारा ताकोमेदा ५३॥ घन ५३॥ खांड
५७॥

मगसर वद ९१

तादिन मगद ताको वेसन ५३॥ घन ५३॥ खांड ५७॥

सुगंधी तो-३

मगसर वद ९२ चौकी तादिन वारा

खीर बड़ा साठी चोरवा ५२॥ दूध ५७ वारा ५७॥ सा
रके वारा ठोर ताको मेदा ५१ घन ५१ खांड ५२ पर
मा पूरी राजमागमे ताके वेसन ५१ मेदा ५१ घन ५१=

मगसर वद ९३

तादिन बड़े श्रीघन श्यामजीको उत्सव तादिन मोरवन
वडा चोरिठा ५१॥ मेदा ५३॥ घन ५३॥ मारवन ५१॥
खांड ५७॥ सुगंधी तो-३ हांडी मलड़ा

मगसर वद ९४

तादिन सेवके लडुवा ताकोमेदा ५३॥ घन ५३॥ खा
ंड ५७॥ सुगंधी तो-३ करणी ५१

१३ तादिन वारा देहर बड़ी ताको मेदा ५१॥ चोरीठा ५१॥
घन ५३॥ उर्देको पिष्टी ५१ खंड ५७॥ करणी ५१ = व-७

मगसर सुद १

तादिन जालीको मोहन चार ताको वेसन ५३॥ घ
न ५३॥ खंड चोरेली ५५॥ = जादिन मंगल भोग
होइ तादिन वारा नवा परीको करनो वेसन ५३॥ घन
५३॥ खंड ५१॥ केसर तो- १॥ कस्तुरी वाल ५ करणी ५१
मेदो ५१॥ संजाव की रबीर नवा भरना के गंरा कटोरीको घन ५॥

मगसर सुद २

वारा गुजराती खाना धोयो मेदा ५२॥ चोरीठा ५१॥
घन ५३॥ वारा ५३॥ सुगंधी तो- ३

मगसर सुद ३

वारा मगद मेदाको ताको मेदा ५३॥ घन ५३॥ खंड
५७॥ सुगंधी तो- ३

मगसर सुद ४

तादिन मोहन चार वेसन ५३॥ घन ५३॥ खंड ५१॥
केशर को १ सुगंधी तो- ३ करणी ५१ पिस्तानो- ५५

मगसर सुद ५

नादिन श्रीजीवनजी महाराज को जन्म दिवस ना
 को वारा तथा नेगभारवेदिन को सरवरी अनसखड़ी
 तथा इधर सब दोहरे वारामे सेवके लडुवा ना
 को मेदा ५७॥ घन ५७॥ खंड ५५ सुगंधी तो-६
 करणी ५॥ हाड़ी मजड़ा

मगसर सुद ६

नादिन श्रीजीवनजी महाराज गादी विराजे ना को उत्स
 वारा सांमग्री मिलमा वेसन के मगदकी वेसन ५२
 मेदा ५१॥ घन ५३॥ खंड ५७॥ सुगंधी तो-३

मगसर सुद ७ बड़े श्रीगोकुलनाथजी
 को उत्सव वारा कपूर नाड़ी को साको मेदा धोये ५२॥
 चोरीठा ५१॥ घन ५३॥ मिश्रीमिसी ५७॥ वारा तो-१॥
 लवंग ५२ हाड़ी मजड़ा

मगसर सुद ८

नादिन सानो स्वरूप श्रीजी के साथ विराजि के भाग
 भारोगे भारवेदिन को वारा दही वड़ा मेदा ५३॥
 चोरीठा ५१॥ घन ५३॥ खंड सेर ५१॥ वारा तो-१॥
 करणी सेर ५१ मोठे शाक की खंड ५॥ हाड़ी मजड़ा

मगसर सुद ९

१०. नादिन वारा चपटीया रवाजा मेदा ५३॥ घृत ५३॥
१४ खांड सेर ५३॥

मगसर सुद १०

नादिन वारा चरमाको चैन ५३॥ घृत ५३॥ खांड
सेर ५५॥ सुगंधी नो-३

मगसर सुद ११

नादिन उदीया लाडू पिछी सेर ५३॥ घृत ५३॥
खांड ५६ सुगंधी नो-३

मगसर सुद १२ चोकी

वारा उड़कल बेसन ५३॥ मेदा ५३॥ घृत ५३॥
खांड ५१ सुगंधी वरास नो-१ करणी ५ केशर नो-१
कटोरी बेघृत ५॥

मगसर सुद १३

वारा नद्या गोपाल वदत्रभ पत्रा मेदा ५३॥ चोरीठा
५ घृत ५३॥ खांड ५१ करणी ५ वरास नो-१

मगसर सुद १४

गोपाल वदत्रभ मे खोवा के गंरा मेदा ५॥ घृत ५॥
खांड गुजाया गवेकी मिश्री की करणी ५॥ वरास वाल ५
मावा दूध सेर ५५ को

मग सर। सुद १५ श्री. हारिः शजी नानजी
 तथा श्री दाऊजी को पादोः सब तादिन बारा चंद्र
 कला धोयो मेदा ५२॥ ध्वोरी हा ५१ घन
 ५३॥ खंड ५१ वरास नो-॥ करणी ५१ = गो
 पाल बहन्नभ मेजलेवी ताको मेदा ५॥ घन ५॥
 खंड ५२ केशर नो-॥

पौषवदी १

गोपाल बहन्नभ मेवंदी की सो इष्टा पुरी नयाल
 वेसन ५॥ घन ५॥ खंड ५२ केशर नो-॥
 करणी ५ = सुगंधी नो-॥

पौषवदी २

गोपाल बहन्नभ मेद को सेव मेदा ५॥ घन
 ५॥ खंड ५१ सुगंधी नो-॥ करणी ५ =

पौषवदी ३

गोपाल बहन्नभ मनोहर के लडुवा मेदा ५॥ चेरी
 हा ५१ घन ५॥ खंड ५२ वरास वा-५ करणी ५ =

पौषवदी ४

गोपाल बहन्नभ मे वेसन को मनोहर वेसन ५॥
 घन ५॥ खंड ५२ इध ५२ वरास वा-५ करणी ५ =

वा -

पौषवदी ५

१५ गोपालबहन्नभमे सिरवोरी मेदा ५॥ घन ५॥
वरासवाल ५ खंड ५२।

पौषवदी ६

गोपालबहन्नभ छटी बंदी वेसन ५॥ घन ५॥
खंड ५॥ सुगंधा।

पौषवदी ७

गोपालबहन्नभ खोवाकोमनोहरकेलडुवा मेदा
५॥ चोरीका ५॥ घन ५॥ खंड ५२। इधकोखो
प्रा ५॥ को वरासवाल ५ करगी =

पौषवदी ८

गोपालबहन्नभ मेवारी मेदा ५॥ घन ५॥
खंड ५॥ फागवेकी पिस्ता ५॥ दाम ५॥ चारे
ली ५॥ किसस ५॥ करगी ५॥ सुगंधीतो ॥

पौषवदी ९ श्रीगुसांजीको उत्सव

नादिन बारा बंदी जलेवीको धोयो मेदा ५४ वेसन
५१॥ खंड ५१॥ घन ५५॥ वरासवा. केस १॥
पूरीको मेदा ५१ घन ५॥

सिरवरन बड़ी मगकी पिठी ५ = चोरीका ५ = घन ५।

दही ५५ सुगंधी तो- ॥॥ खंड ५१ सुगंधी ॥॥
 छाछ के वडो नाकीदार उर्दकी ५॥ = घृत ५। दही
 ५२ संजावकीरबीर बूध ५५
 गेरूकोरवा ५ = खंड ५१ सुगंधी तो- ॥॥
 मीठेशाककीरवांड ५॥ भंजेमेवा बदाम ५।
 पिस्ता ५। चारेली ५। कोल्हाकेबीज ५। खर
 बीजाकेबीज ५। मखाना ५ =
 हरे स्रके सधाना खारक ५ मिस्च ५ = पीपर
 ५ = इंगुर ५ = चार हरे साकघरमे सो लकीनेल
 सेर ५१। पौषवदी १०
 गोपाल बहन्नमसीरा चूनेसर ५॥ घृत ५॥
 खंड ५१॥ सुगंधी तो- ॥॥
 दोकेनको पौषवदी ११ श्रीगोविंदरायजीकोऊ
 गोपाल बहन्नम जलेवी धोयोमेदा ५१ घृत ५॥
 खंड ५२। केशर तो- ॥

पौषवदी १२ चौकी

बारोतथांगोपालबहन्नम खनमंडा मेदा ५३ धोने
 चार घृत ५१॥ खंड चारेली ५७॥ लोमकीबुकी
 रकप्रान्नभर मंगोडाकीछाछ पिछी ५॥ घृत ५।
 मंगलभोग न-गोपीबहन्नम न-राजभोगमे मंगोडाकी
 छाछ भ्रावे

वां.

नातजी श्रीगोकुलनाथजी घोटावारे को उत्सव

१६

पौषवदी १३ नादिन गोपालवदत्रभजले

वी मेदाधोयो ५१ घृत ५॥॥ खंड ५२॥ केशरको ॥

पौषवदी १४

गोपालवदत्रभमेधारी चोरीठा ५॥॥ घृत ५॥॥

खंड ५॥॥ सुगंधी नो ॥॥॥ इध ५२॥

पौषवदी ३०

गोपालवदत्रभमे मुरकी उर्दकीपिही ५१२ चोरी

ठा ५१२ घृत ५॥॥ खंड ५२४ वरासबाज २ केशरनो ॥

पौषसुद १

गोपालवदत्रभमे नाड़ी उर्दकीपिही ५१२ चोरी

ठा ५१२ घृत ५॥॥ खंड ५२४ वरा २ केशरनो ॥

पौषसुद २

गोपालवदत्रभमे सिकेभरे मुरकाचून ५११ कोम

गद ताको घृत ५॥॥ खंड ५२४ वरा २ सुगंधी ॥॥॥

येल्तडुवासनुवाकीभातवांधेजाइ

पौषसुद ३

गोपालवदत्रभमे मेदाकेगंठा मेदा ५॥॥ घृत ५॥॥

वदाम ५॥ पिस्ता ५॥ चारोजी ५॥ द्रवरव ५॥ करणी ५॥॥

सुगंधी नो ॥॥॥ पागवेकीखण्ड सेर ५॥॥

पौषसुदी ४

गोपालवदत्रभमे धांसके लडुवा उर्दकोरिडी ॥
चोरीठा ॥ घन ॥ खांड ॥ सुगंधी तो- ॥

पौषसुद ५

गोपालवदत्रभमे खेवाके गंरा नाको मेदा ॥ घन
सेर ॥ माका सेर ॥ कणी सेर ॥ सुगंधी तो- ॥
पागवेकी खांड सेर ॥

पौषसुद ६

गोपालवदत्रभमे मेदाका सीरा नाको मेदा ॥ घन
॥ खांड ॥ सुगंधी तो- ॥

पौषसुद ७

गोपालवदत्रभमे दही की सब नाको मेदा ॥ घन
॥ खांड से- ॥ सुगंधी तो- ॥

पौषसुद ८

गोपालवदत्रभमे चोरीठाको मगद ॥ घन ॥
खांड से ॥ सुगंधी तो- ॥

पौषसुद ९

गुडको सीरा नाको चंन ॥ घन ॥ गुड ॥
जाइफल सुगंधी तो- ॥

वा. लालजीश्रीकल्यानरायजीकेजन्मदिवस गोपाल
 वदत्रभमेंसेबड़े पौषसुद १० मे-५॥ ह-५॥ खा-५१॥
 १६ लडुवा सुगंधी नो ॥
 गुड़कीबूंदीकेलडुवा बेसरा ५॥ घन ५॥ गु
 ड ५॥ खांड ५१ जाइफल नो ॥

पौषसुद ११

गोपालवदत्रभमे गुड़पापड़ी चंन ५॥ घन ५॥
 गुड ५॥ जाइफलसुगंधी नो ॥

पौषसुद १२ चोकी

गोपालवदत्रभमे नयाबारा माड़ा मेदासेर ५३॥
 खांड ५३॥ घन ५॥ बरान वा-५

पौषसुद १३

गोपालवदत्रभमे वसनकी गुड़पापड़ी बेसन ५॥
 घन ५॥ गुड ५॥ जाइफल ॥

पौषसुद १४ गोपालवदत्रभमे

बूंदीकेलडुवा बेसन ५॥ घन ५॥ खांड ५२
 करणी ५ = द्वाख ५ = सुगंधी ॥ केशर ॥

पौषसुद १५ मकरसंक्रान्तिजादिन

होइ ताकेऽप्रागलेदिवसभोगी ताकेगोपालवदत्र
 भ बूंदीकेलडुवा बेसन ५॥ घन ५॥ खांड ५२
 करणी ५ = द्वाख ५ = केसर ५ सुगंधी ॥ बडाकी
 छाछ उर्दकीदार ५॥ घन ५॥ दही ५४ मी-शा-खांड ॥

संक्रान्तिकेदिना गोपालवह्नभमे पूवा च न ॥ घृ
त ॥ गुड ॥ विरोजी ॥ ये संक्रान्तिकदापि
गलपाखल प्रावे तो तादिन कर जो शेरनादि नको
गोपालवह्नभयादिन प्रावे मकर संक्रान्ति मे मिल
के लडुवा निल सुपेन ॥ ५ खांड ॥ ५२ ॥ बरास तो ॥
ताके नग ४० बडे ४० छोटे बांधने संक्रान्तिकेदि
न मीठे शाक की खांड ॥

माघवदी १ वा २
गोपालवह्नभमे मातृ पूवा च न ॥ खांड ॥ घृ
त ॥

माघवदी ३
गोपालवह्नभमे गुड की खली खांड ॥ घृ
त ॥ गुड ॥ जोड़ फल ॥

माघवदी ४
गोपालवह्नभमे लारवन लई लडुवा वेसन ॥
घृत ॥ खांड ॥ ५२ ॥ सुगंधी ॥ करणी ॥

माघवदी ५
गोपालवह्नभमे सुखीया को चरमा ताको च न ॥
घृत ॥ खांड ॥ ५१ ॥ सुगंधी ॥ फोकी कचोरी गो
पी वह्नभमे मेदा की प्ररी के ठिकाने प्रावे

का. ताकीदाल उर्दकी ५१ मेदा ५१ घन ५१ प्रादाहीया

१८ मिरच नीव

माघवदी ६ गोपालवहन्नभमे तवापूरी वेसन ५॥ घ

न ५॥ मेदा ५॥ सुगंधी ३ खंड ५२ क ५ = के-॥

कस्तूरी बाल ३

माघवदी ७ गोपालवहन्नभमे गुड़की बंदी के लडुवा

वेसन ५॥ घन ५॥ गुड ५॥ खंड ५१ सुगंधी ॥ जाइ-

माघवद ८ गोपालवहन्नभ छूटी बंदी वेसन ५॥ घन

५॥ खंड ५॥

माघवद ९ गुड़के रसा गेहूँको २५॥ मेदा ५॥

घन ५१॥ गुड ५॥ मिरच ३ भर

माघवद १० गोपालवहन्नभमे गुड़की तवापूरी वेस

न ५॥ मेदा ५॥ घन ५॥ गुड ५॥ खंड ५१ जाइ

फलनो करी ५ = के-॥

माघवद ११ बंदी की गुड़ पापड़ी वेसन ५॥ घन

५॥ गुड ५॥ खंड ५१ जाइ-॥ करी ५ =

माघवदी १२ गोपालवहन्नभमे खंडको चूरमा को

घन ५॥ घन ५॥ खंड ५१ सुगंधी ॥

माघवदी १३ सामग्री लीला वेसन ५॥ घन ५॥ खंड

इबरा ५॥ सुगंधी ॥ दूध ५३ दूधमे वेसन बाफ के या के

बड़ा करने सोधी मेतरे सुगंधी सहित बराभर कावना

माघवदी १४

गुड़कोचरमा चन ५॥ घृत ५॥ गुड़ ५॥ जर ॥
 माघवदी ३० तवापरी वसन ५॥ घृत ५॥ मेदा ५॥
 खंड ५२। सुगंधी ॥ करणी ५ = केसर ॥
 माघसुदी १ तादिन गोपालवदत्रमसेवकेलडुवा
 मेदा ५॥ घृत ५॥ खंड ५१॥ सुगंधी ॥
 माघसुदी २ गुड़कोसीरा चन ५॥ घृत ५॥ गुड़
 ५॥ सुगंधी ॥
 माघसुदी ३ गुड़केगुंदा गेरूकोरवा ५॥ मेदा ५॥
 गुड़ ५॥ घृत ५१॥ मरच ५ =
 माघसुदी ४ चोरीठाकोमगद चोरीठा ५॥ घृत ५॥
 बरा ५१॥ सुगंधी ॥
 माघसुदी ५ वसंतचमी तादिन धारातथांगोपा
 लवदत्रमसेवकेलडुवाके मेदा ५३ घृत ५३
 खंड ५६ करणी ५। सुगंधी तो-३ गोपालवदत्रम
 मनोहरकेलडुवा मेदा ५॥ चोरीठा ५। घृत ५॥
 खंड ५२। बरासवा-२ करणी ५ मोटेशा-खंड ५॥
 खीरकोदूध ५४ चौरवा ५ = सुगंधी ॥ खंड ५॥
 प्रव उत्सवभोगकी सामग्री ग्रंथ गेरूकोरवा ५२॥

वा- मेदा ५३ घृत ५५॥ खांड ५२॥ राईसेर भिरच ५ =
 १८ मछरीकोमेदा ५४ घृत ५४ खांड ५६
 सेवकेलडुवा मेदा ५४ घृत ५४ खांड ५२ सुं-३को ५।
 छटी बंदी वेसन ५१ घृत ५१ खांड ५१
 सिरवरन बड़ी मंगकी पिछी ५ = चोरीठा ५ = घृत ५।
 खांड ५१ दही ५३ सुगंधी ॥
 बड़ा की हांडी उर्दकीदार ५॥ घृत ५। दही ५३ मोठो
 शाककी खांड ५॥ नीलेसूकेसधानां
 भिरच ५। शारक ५। द्राग ५। पीपर ५। ओरचा
 र ४ नैले तेनोतेल ५१।

माघसुदी ६

प्रारवेदिनका वारा गोपालवदत्रभसुदी वसन
 पंचमीकी सामग्री सोऽप्रवे

माघसुदी ७ अमला

गोपालवदत्रभ मनोहरकेलडुवा नाकोधोयोमेदा
 ५॥ चोरीठा ५। घृत ५॥ खांड ५२। सुगंधीवास
 बाल २ माघसुदी १२ नादिन
 गोपालवदत्रभमे बुड़कल वेसन ५॥ मेदा ५। = घ
 न ५१ खांड ५२। वरसबाल २

माघसुदी १५ हेरीडांडो

मृगकीपिछी ५॥॥ मेदा ५१ = घन ५१ खांड ५२। सु

गंधी नो. ॥॥ मीठेशाककी खांड ५॥

२

फागुनवदी ७ श्रीनाथजीको पाटोत्सव

बारो मनोहरकेलडुवा मेदाधोयो ५३ चोरीठा ५१

घन ५३^{मेनेचर करह} खांड ५४ सुगंधी वरासवा-५ करणी ५। ६. १

गोपालवहनभउगोटो खनमंडाको मेदा ५१ = घ

न ५१ = चोरीठा खांड ५३ वरासवा-२

इसरो गोपालवहनभ उरजमंडा बेसन ५॥ = मे

दा ५॥ घन ५१॥ लिप्ता ५ = वदास ५। चोरीठा ५ =

वरासवाल २ ताकीखांड ५ भीनरमिलाको

खांड ५१॥ पागिवेकी काकवेसर नो. १

बडाकीछाछी हंडा उईकीदा ५॥ घन ५। हरी

५३ संजावकीरवीरि इध ५४ खांड ५॥॥ खागे

हको ५ = मीठेशाककी खांड ५॥

सिरवरनवडी पिछी ५ = चोरीठा ५ = घन ५। सु

गंधी नो. ॥ केसर नो. ॥ सिरवरन ५३

वा.

फाल्गुनसुद ८ वगीचा

२०

तादिनबारागुंठाको रवा ५२॥ मेदा ५३ घन ५५

मिरच ५ = घन ५५ खंड ५२॥ गोपालवहन्नममे

मनोहर मेदा ५॥ चोरीठा ५॥ घन ५॥॥ खंड-

वरास बाल २ करणी ५ =

वगीचाकीसामग्री चंद्रकला धोयोमेदा ५॥॥

रीठा ५॥ = घन ५९ खंड ५३ वरासबा-२ करणी =

दहीघरा मेदा ५॥॥ चोरीठा ५॥ घन ५९ खंड-

धरासबा ५ सुगंधी तो-

गुज्जरीरवाजा धोयोमेदा ५॥॥ चोरीठा ५॥॥ घन ५॥॥

वरासबा ५॥॥ सुगंधी तो- ॥॥

खोवाकेरवा मेदा ५॥॥ घन ५॥॥ खोवाकेरवा ५

करणी ५॥॥ वरासबा २ खंड पावकी ५९

मेदाकीपूरी मेदा ५९ घन ५॥

सिरवरनवडी मंगकीछी ५ = चोरीठा ५ = घन ५॥

खंड ५९॥ सिरवरन ५३ सुगंधी तो- ॥

फीकीकचोरी मेदा ५॥॥ उर्दकीदाल ५॥॥ घन ५॥॥

गुंठाकीछोलाके छोला ५९॥ मेदा ५॥॥ घन ५॥॥

छाछकीहंडी उर्दकीदाल ५॥॥ घन ५॥॥ दही ५३

फड़फड़ोया चना चना ५॥ दारसराकी ५॥ घृत ५॥

तावकीरवीर इध ५४ गेरूकोरवा ५ = खांड ५॥

गंधी ॥ पीठेशाककी खांड ५॥

भुजेमेवा वदाम ५॥ पिस्ता ५॥ चिरोजी ५॥ कोल्हो

बीज ५॥ खरकजाकेबीज ५॥ मरवाना ५ =

नाथनीले धसूके खारक ५॥ मिरच ५॥ पीपल

समिस ५॥ ताकोतेल ५१ = प्राजमही पूजा

गेरूकोरवा ५५ घृत ५५ खांड ५५ मेदा ५६

फागरा सुद

मरी

गोपालवहनभमेसेवकेलडुवा बेस ५॥ घृत ५॥

खांड ५२॥ करक ५ = सुगंधी ५॥ किरगी ५ = दास ५ =

सर तो - ५

फागरा सुद ११ कुंजरकदशी

गोपालवहनभमेसेवकेलडुवा मेदा ५॥ घृत ५॥ खांड ५

२॥ वरसुन बाल २

फागरा सुद १२

गोपालवहनभमेसेवकेलडुवा मेदा ५॥ घृत ५॥

खांड ५१॥ सुगंधी ५॥

फागण सुदी १३ गोपालवहन्नभमे फेरणी नाकोमेदा

२१ ५॥ चोरोठा ५॥ घन ५॥॥ खंड ५१ पिस्ता ५=

बगीचा सामग्री भंडार मे देरव केलेनी

फागण सुदी १४

तादिन गोपालवहन्नभमे मेवारी मेदा ५॥॥ घन ५॥॥

वदाम ५॥ पिस्ता ५॥ द्वारव ५॥ चिरोजी ५॥ करणी ५॥॥ सु

गंधी नो-॥॥ पागवेकी खंड ५१॥

फागण सुदी १५ होरी

बारोसेवके लडुवा मेदा ५२ घन ५३ खंड ५६ सु

धीनो-३ करणी ५= गोपालवहन्नभमे प्रवागुडके
चक्र ५॥॥ घन ५॥॥ गुड ५॥॥ चोरोठा ५= मोठेशा-खंड ५॥

घांछकी हाडी उदकीदार ५१ घन ५॥ दही ५२

फा० चैत्रवदी १ दोलोत्सव

गोपालवहन्नभमे धासके लडुवा उदकी पिठी ५॥=

मेदा ५॥= घन ५॥॥ खंड ५२ खरासवा-२ करणी ५=

खीरको दूध ५४ गेहूको रवा ५= खंड ५॥॥ सुगं-॥

मोठेशाक की खंड ५॥

डोलकी सामग्री छटी बंदी को वेसन ११५ घन ११५

खंड ११५ मनसवा

सकरपारा कोमेदा १५ घन १५ खंड १५

रीकोमेदा १५ घन १५ खंड १५

सवकेलडुवा मेदा १५ घन १५ खंड १५ सुनो २ क-५।

संदीकेलडुवा बेसन ५४ घन ५४ खंड ५२ क-५॥

केसर नो-१ सुगंधी नो-२ द्राव ५।

मोहनधारजालीको बेसन ५२ घन ५२ चारेलीखां

५२॥

बाटी मेदा ५२ घन ५२ कणी ५२ बदाम ५॥ पि

५॥ चारली ५॥ द्राव ५॥ सुगंधी १॥ गोलापा

गवेकी खंड ५३

बाबर केसरी न-सुपेन मेदा धोयोसेर ५४ घन ५४

५४ केसर नो-१

नोकेसरी न-सुपेन धोयोमेदा ५४ चोरिठा ५२

घन ५६ खंड ५६ केसर नो-॥ चिस्तापचरी ५ =

मनोहर धोयोमेदा ५२ चोरिठा ५१ घन ५३ खंड

सेर ५६ कणी ५। वरासवाल ५

घेवर धोयोमेदा ५२ घन ५२ खंड ५६ बरा-बरा २

जलेवी धोयोमेदा ५२ घन ५२ खंड ५६ के-नो-॥

सिरवरनवडी मंगकीपिछी ५। चोरिठा ५। घन ५॥

२२ खांड ५३ सिरवरन ५५ सुगंधीतो- ॥

२३ दहीबड़ा उर्दकीदाल ५९ घन ५॥ दही ५५

कंजीकी चपटीया बड़ाकीदाल ५॥ घन ५। रईलेनः

चरागा फड़फड़ीया चरागा ५॥ दालचरागाकी ५॥ घन ५॥

मीठेशाककी खांड ५९

भंजेमेवा बदाम ५। पिस्ता ५। चिरोजी ५। माखाना ५।

कोल्हाकेबीज ५। खर ब्रजाकेबीज ५।

सधानाहरे सूके मिरच ५। झारव ५। खारक ५। पीक ५।

हरेभ्राठजानकेनाकोनेल ५५

दादानी श्रीमधरासथजीकोउत्त व गोपालव

धर्म मेहाधोके ५९ घन ५९ खांड ५३ केसर- ॥

चैत्रवदी २ लोयापाट

वाराडेलकीसामग्रीने गंरा मछली सेवकेलुवा

प्रारवेदिनको गोपालवहन्नमहा मीठेशा- रता- ५॥

चैत्रवदी

श्रीगिरधारीजी तानजीकोउत्सव तादिनगोपालव

धर्ममेजलेवी मेहा ५९ घन ५॥ खांड ५३ केसर- ॥

चैत्रवदी ३०

श्रीलालजी श्रीलूषाचंद्रजीकोजन्मदिवस

तादिन गोपाल वदत्र भजलेवी मेरा ॥ घन ॥ खां
३५२। केसरनो-॥

चैत्र सुद १ संवत्सरोत्सव

तादिन गोपाल वदत्र भमे मनोहर मेदा ॥ चोरीठा ॥
घन ॥ खां ॥ ३२। वरासुवा-२ करणी ॥ = धाघके
वडा उदकी दाल ॥ घन ॥ दही ॥ ३३ मी-शा-खा-॥

चैत्र सुदी ६ बडे श्रीयदुनाथजी को उत्सव

तादिन हांजी सुलडा

चैत्र सुद ८ काका श्री वदत्र भजी केला

लक्ष्मी गिरधारजी को उत्सव गोपाल वदत्र भमे वं
दी के लडुवा वसन ॥ घन ॥ खां ॥ ३२। केसर ॥ सु
गंधी ॥ ॥ श्राव ॥ = करणी ॥ =

चैत्र सुद ९ रामनोमी

तादिन गोपाल वदत्र भमे मेरा मेदा ॥ घन ॥
वदाम ॥ पिस्ता ॥ किसपिस ॥ चारेली ॥ पागवेकी
खां ॥ करणी ॥ सुगंधी नो-॥

खीरको दूध ॥ ४ चोखा ॥ = बरा ॥ सुगंधा नो-॥

मीठे शाक की खां ॥ उत्सव भाग मे फराल प्रावे
नथांस कर पारा मेदा ॥ २ घन ॥ २ खां ॥ २ खटी बंदी
वसन ॥ १ घन ॥ १ खां ॥ १

बड़ाकीछाछ उर्दीकीदाल ॥ घन ५। दही ३

२३

चैत्रसुदी १०

गोपालबहनभमेब्रंदीकेलडुवा बेसन ५॥ घन ५॥
खांड ५२। करी ५ = किसमिस ५ = सुगंधी ॥ के ॥
प्रवचैत्रमेमेष संक्रान्तिहोइ तादिन सनुवाकेगोपा
लबहनभ सनुवा ५॥ घन ५॥ बरा ५१॥ वरासबा २
गोपालबहनभ सनुवा ५६ घन ५६ बरा ५२ वा
सतो ॥ प्रारंभ दिन संक्रान्ति सांढको होइ तो सांढग्री
पुराणकालमे प्रारंभेगे परंतु धोस्यो सनुवानथांगोपाल
बहनभ दूसरेदिन प्रारंभेगावनो

वैशाखवदी ११ श्रीप्राचार्यजीमहाशय
नकोउत्सव तादिन प्रारंभ दिनको वारा तथा गोपाल
बहनभ तथा श्रीमहाशयजीको भोग केब्रंदीजलेवी
प्रारंभेगावै ताकोधायोमेदा ५३ घन ५३ खांड ५६ केस
रतो ॥ छूटीब्रंदीको बेसन २ घन २ खांड ५२
सिरवरनबड़ी मंगकीपिछी ५ = चोरोठा ५ = घन ५। सि
खरन ५३ सुगंधीतो ॥ बरासेर ५१॥
संजावकी खोरि ताकोइध ५४ रवा ५ = खांड ५॥ सुगंधी ॥
मेदाकीपूरी मेदा ५१ घन ५॥

बड़ाकीछाछ ताकीऊर्दीकीदाल ५॥ घन ५। दही ५३

चैत्रसुदी ६ रामनौमी

नादिन गोपाल वदत्रभ मे मेवाटी मेदा ॥ घृत ॥

बदाम ॥ पिस्ता ॥ किसमिस ॥ चारोली ॥ करी

॥ सुगंधी तो - ॥ पाणिबेकी खंड ॥

खीरको दूध ॥ चोखा ॥ ब्रा ॥ सुगंध तो - ॥

मीठे शाक की खंड ॥ उत्सव भोग मे फराल प्रावे

तथा सकर पारा मेदा ॥ घृत ॥ खंड ॥

छुटी बंदी वेसन ॥ घृत ॥ खंड ॥

वडा का घाछ दाल उहकी ॥ घृत ॥ दही ॥

चैत्रसुदी १०

गोपाल वदत्रभ मे ब्रं दी के ल दवा वेसन ॥ घृत ॥

खंड ॥ करी ॥ किसमिस ॥ सुगंधी ॥ केसर ॥

प्रवचैत्र मे मेघ संक्रान्ति होई नादिन सनुवा के गो

पाल वदत्रभ सनुवा ॥ घृत ॥ ब्रा ॥ वरास

वाल २ सनुवा सेर ॥ घृत ॥ ब्रा ॥ वरा

सतो - ॥ प्रेर जादिन संक्रान्ति संझ को होई ते मांम

गनी पुराण काल मे प्रारोगे परंनु घोखो सनुवा प्रेर

गोपाल वदत्रभ दूसरे दिन प्रारोगा बनो

वैसारवदी ११ श्रीप्राचार्य जी महाप्रभुन के ०

३.५B नादिन प्रारवे दिनको वारा तथा गोपाल वदन्नभ
 २३ तथाम्रो महाप्रभजी के भोगमे ब्रंटी जलेवी प्रारवेगा
 वै ताको धोयो मेदा ५३ घृत ५३ खंड ५६ केस
 र तो-॥॥ छूटी ब्रंटी को वेसन ५२ घृत ५२ खंड ५२
 सिरवरन वड़ी मंग की पिछी ५= चोरीटा ५= घृ
 त ५। सिरवरन ५३ सुगंधी तो-॥ ब्रासेर ५१॥
 संजाव की रवीरे ताको दूध ५४ रवा ५= खंड ५॥
 सुगंध ॥ मेवा की घरी मेदा ५१ घृत ५॥
 वड़ा की घृत ताकी दाल उर को ५॥ घृत ५। वही ५३
 मीरे शाक की खंड २ भंजे मेवा बदाम ५।
 पिस्ता ५। चिरे तो ५। मखाना ५= कोल्हा के बी
 ज ५। खरबूजा के बीज ५।
 सधान हरतथां सके मरच ५= प्रारव ५= खारक
 ५= पीयर ५= चारहे साक घरमे ताको नेल ५१।
 वैसारव वदी १२
 गोपाल वदन्नभ मे ब्रंटी के लडुवा वेसन ५॥॥ घृत
 ५॥॥ खंड ५२। सुगंधी तो-॥॥ प्रारव ५= करणी ५=
 वैसारव वदी ३० प्रमावस्या
 श्रीगोपीनाथजी का काजी को उत्सव गोपाल वदन्न

भमेजलेवी ताको मेदा ॥ घृत ॥ खांड ॥ २॥ केसर ॥
 वैसारवसुदी ३ ॥ प्रसायननीयानथा श्रीविह
 लेशजीको उत्सव तादिन वारो सनुवाके सनु
 वा ॥ ३ ॥ घृत ॥ ३ ॥ खांड ॥ ६ ॥ सुगंधीनो ॥ ३ ॥ गोपाल
 वदत्रभमे मनोहर धोयो मेदा ॥ चोरीठा ॥ १ ॥ घ
 त ॥ ॥ खांड ॥ २ ॥ वरास वाल २
 खीरको दूध ॥ ६ ॥ चोखा ॥ २ ॥ खांड ॥ ॥ सुगंधी ॥
 मोठे शाकनी खांड ॥ ॥ बड़ा की छाछ दारुदकी ॥
 घृत ॥ ॥ दही ॥ ३ ॥ सुगंधी ॥ ३ ॥ प्रेकुरी उत्सव भोगमे
 ॥ ॥ ॥ मगनीदार ॥ ॥ चनाकी ॥ ॥ चरण
 दोजानके ॥ ॥ ॥ खांड ॥ ॥ वरास वाल २ ॥
 लची उभर हरेमेवा सनरहके विछले राजीके
 उत्सवको गोपाल वदत्रभ सेवके सुवा मेदा ॥
 घृत ॥ ॥ खांड ॥ १ ॥ सुगंधी ॥ ॥

वैसारवसुदी ६

तानजी श्रीगोवर्द्धनेशजीको उत्सव तादिन वारा
 नथा गोपाल वदत्रभ वंदी जलेवी मेदा ॥ २ ॥ घृत ॥ २
 खांड ॥ ६ ॥ केसरनो ॥ ॥ वसन ॥ २ ॥ घृत ॥ २ ॥ खांड ॥ २
 वराकी छाछ दाल उदकी ॥ ॥ घृत ॥ १ ॥ दही ॥ ३ ॥ मोठे शाक
 की खांड ॥ ॥

वैसारव सुदी १३

श्रीबालकृष्णालालजी सुम्बई पधारे सो पाटो नव
संवत् १८७६ नादिन वारा नथांगोपालवदत्रम
सेवके लडुवाको मेदा ५३॥ घन ५३॥ खंड ५७॥
सुगंधीनो-३ केसरनो-१ करणी ५।

खीरेको दूध ५४ रवा ५ = खंड ५॥ सुगंधी ७

बडाकी छाछ दारउर्दकी ५॥ घन ५। दही ५३

सिरवरनवडी सुगंधीपिछी ५ = चोरीठा ५ = घन ५।

सिरवरन ५३ सुगंधीनो ७॥ खंड ५१॥

वैसारव सुदी १४ नृसिंह चतुर्दशी

गोपालवदत्रमसे नचा ५॥ घन ५॥ खंड ५१॥

वासवाल ५ बडाकी छाछ दारउर्दकी ५॥ घन ५। द

ही ५३ मोरेशाककी रवा ५॥ उत्सवभोगमे फलह

रप्तावै रक्तादशिवन्

जैष्ठवदी २

श्रीगोकुलनाथजी गादीवरजे संवत् १८५२ नादिन

वार बंदी जलेवीको मेदा ५२ घन ५२ खंड ५६ केस

रनो-१ बसन ५१॥ घन ५१॥ खंड ५१॥

जैष्ठवदी १२ श्रीदीक्षनजीको जन्मदिवस नादिन

बूंदीकेलडुवा बेसन ५३ घृत ५३ खंड ५६ सुगंधीतो-३
 करणी ५। द्राव ५। केसर तो-॥॥ गोपालवदत्रभमेबूंदी
 सकरपारा बेसन ५॥ मेदा ५॥ घृत ५१ खंड ५१॥

जेषवदी १४ लालजीश्रीवृजाधीशजीकोज
 न्मद्विषस सादिनगोपालवदत्रभजलेबी मेदा ५॥
 घृत ५॥॥ खंड ५२। केसर तो-॥

जेषसुदी ६ छप्पनभोग सुम्बईमे संवत्
 १८८८ नन्दनगोपालवदत्रभमेबूंदीकेलडुवा
 बेसन ५॥ घृत ५॥॥ खंड ५२। करणी ५६ द्राव ५६
 केसर तो-॥ सुगंधी तो-॥॥

जेषसुदी १० रंगादसमी
 गोपालवदत्रभनिन्दके तयाउत्सवभोगसुहारे
 केशरीनथांसुपेनाकोमेदा ५१ घृत ५॥॥ के
 सर ॥ मठरीकोमेदा ५१ घृत ५१ खंड ५१॥
 सीराकोचून् ५॥ घृत ५१ खंड ५१ द्राव ५६ सुगं॥
 गुजरानीरबाजाधोयोमेदा ५१ घृत ५१॥ चोरीठा ५॥
 खंड ५१॥ सुगंधी ॥ मीठेसैककी खंड ५॥
 भ्रजेमेवा बदाम ५। पिस्ता ५। चोरीली ५। मरवा
 ना ५॥ कोल्हावेवीज ५। खरवृजाकेवीज ५।

मीठे साक की खांड ५१ भूजे मेवा वदाम ५। पिस्ता ५।
 चिरोजी ५। मखाना ५२ कोल्हा के बीज ५। खरबूजा बी-५।
 मधानी हरे नयां सूके खारक ५ पीपल ५ चिरोजी ५२
 किसमिस ५२ खारक ५२ चार हरे साक धारमेन
 ताको सेर तेल ५१।

बैसारव वदी १२

गोपालवदत्रभमे वदी के लडुवा बैसन ५॥ घृत ५॥
 खांड ५२। सुगंधी तो-॥॥ द्राक्ष ५२ = करणी ५२ =
 बैसारव वदी ५२ प्रमाकस्य
 श्रीगोपीनाथजी काकाजी को उत्सव गोपालवदत्रभ
 मेजलेवी लकमेदा ५॥ घृत ५॥ खांड ५२। के ॥
 बैसारव सुदी ३ २२ सप्तमी ३३ चतुर्थी ३४
 विहारे शर्वा ५२ नव सादिनवारो सनुका ५२
 सनुका ५३ घृत ५३ खांड ५६ सुगंधी तो-३ गोपाल
 वदत्रभमे मतो हर धोयो मेदा ५॥ चोरीठा ५॥ घृत ५॥
 खांड सेर ५२॥ गराल वारो २
 खीरको दूध ५॥ चोरीठा ५२ सुगंधी ॥ खांड ५॥
 मीठे साक की खांड ५॥ वडा की छाछ दारउर्दकी ५॥ घृत
 ५॥ दही ५३

मंगकी प्रंकुड़ी उत्सव भोग में मंग ॥ = मानीदार ॥

२४ चनाकीदार ॥ पराग दो जान के मिर्ची ॥ खंड ॥

बरास का २ शलबी उभर हरे मेवा सवन रह के
विहलेश जी के उत्सव को गोपाल बहन भसेव के लडु
का मेदा ॥ घृत ॥ खंड ॥ सुगंधी ॥

वैसारव सुदी ४

नात जी श्री गो बहने शजी को उत्सव ता दिन बारा तथा
गोपाल बहन बंदी जलेवी मेदा ॥ २ घृत ॥ २ खंड
॥ २ ॥ २ केसर तो ॥ वैसार ॥ २ घृत ॥ २ खंड ॥ २
बड़की छाछ उर्दकीदार ॥ घृत ॥ २ ॥ ३
मीठे शग ककी खंड ॥

वैसारव सुदी १३

श्री बाल कृष्ण लाल जी को सुम्बई पधार सो पाठे उत्सव
संवत् १८३३ मे बारा तथा गोपाल बहन भसेव
के लडुवा मेदा ॥ ३ ॥ घृत ॥ ३ ॥ खंड ॥ ७ ॥ सु ३
केसर तो - १ करगी ॥
खीर को दूध ॥ ४ रवा ॥ = खंड ॥ १ ॥ सुगंधी तो ॥
बड़की छाछ उर्दकीदार ॥ घृत ॥ १ ॥ दही ॥ ३
सिरवरन बड़ी मग की पिठ्ठी ॥ = चोरीठा ॥ = घृत ॥
सिरवरन ॥ ३ सुगंधी तो ॥ खंड ॥ १ ॥

वैसारवसुदी १४ नृसिंहचतुर्दशी

गोपालवहन्नभमे सनुवा ५॥ घन ५॥ खांड ५१॥ बरा-२

बड़ाकीछाछ दालउर्दकी ५॥ घन ५॥ दही ५३

मीठेशाककी खांड ५॥ उत्सवभोगमे फलारभावे

रकादशीवत्

जेष्ठवदी २

श्रीगोकुलनाथजीगादीविराजे संवत् १८५२ तादि

नवारात्रंदीजनेवीको मेदा ५२ घन ५२ खांड ५६ के

सर नो-२ वेसन ५१॥ घन ५१॥ खांड ५१॥

जेष्ठवदी १२ श्रीदीक्षितजीको जन्मदि-

नादिन वंदीलेखुवा वेसन ५३ घन ५३ खांड ५३

सुगंधी नो-३ करणी ५॥ करब ५॥ केशर नो-१॥ गोपा

लवहन्नभमे वंदीलेखुवा वेसन ५३ मेदा ५॥ घन

५१ खांड ५१॥

जेष्ठवदी १४ नालजीश्रीवजाधीशजी

को जन्मदिवस तादिन गोपालवहन्नभ जलेवी मे

दा ५॥ घन ५॥ खांड ५२॥ केशर नो-१॥

जेष्ठसुदी ६० छप्पनभोगसुम्बईमे

संवत् १८८८ तादिन गोपालवहन्नभमे वंदीके

लडुवा वेसन ५॥ घन ५॥ खंड ५२। करी ५ = द्रा
२५ ख ५ = केसर तो - ॥ सुगंधी तो - ॥

जेषुदी १० गंगादसमी

गोपालबहन्नभनिन्नको नथाउत्सवभोगमेसुहये
केशरी नथांसुपेत ताकोमेदा ५१॥ घन ५॥ के ॥

मठरीकोमेदा ५१ घन ५१ खंड ५२॥ डे

सीराकोचन ५॥ घन ५॥ खंड ५१ द्राख ५ = सु ॥

गुजरातीखाजधोयोमेदा ५१ घन ५१॥ चोरिठा ५॥

खंड ५१ सुगंधी ॥ मीठेशाककीखंड ५॥

भजेमेवा वदाम ५ पिस्ता ५ चिरोजी ५ मखाना ५ - ॥

कोल्हाकेबीज खरबजाकेबीज ५

जेषुदी १२ स्नानयात्रा

तादिनबारासनुवाके सनुवा ५३ घन ५३ खंड ५६

वरास तो - ॥ गोपाल बहन्नभ वंकि लडुवा वेसन ५॥

घन ५॥ खंड ५२। करी ५ = द्राख ५ = सुगंधी ॥ के ३

खीरकोदूध ५४ खंड ५॥ चोखा ५ = सुगंधी ॥

मीठेशाककीखंड ५॥

अंकुरकेमृग ५६ तामेसो संडा प्रातः मिष्टोकेधारे

वेकोरगरिवलेने प्रेरसरकेखोपराकीजलेवीमृगके

संग प्रावे

प्रसाद सुदी २ वा ३ रघुयात्रा

तादिन वारा ब्रंदि के लडुवा को वेसन ५३ घन ५३
 खंड ५६ सुगंधी तो - ३ करणी ५। केसर तो ॥॥ दारब ५।
 गोपाल वदत्र भमे मेवादी वदाम ५। पिस्ता ५। चारो
 ली ५। दारब ५। करणी ५॥॥ मेदा ५॥॥ घन ५॥॥ पांग
 बेकी खंड ५१॥ सुगंधी वारा सवाल २
 छाछ के वडा दाल उर्दकी ५॥ घन ५। दही ५३
 मीठे शाक की खंड ५॥ खीर का दूध ५४ चोरवा ५=
 खंड ५॥ सुगंधी तो ॥ प्रवउत्सव भोग की सामग्री
 भवे के लडुवा मेदा ५४ घन ५४ खंड ५८ सुगंधी
 तो - २ करणी ५।
 मठड़ी का मेदा ५४ घन ५४ खंड ५६
 गुंजा को रवा सेर ५३ घन ५३ मेदा ३ घन ५१॥
 खंड चारे ली ५३ मिरच ५=
 छूटी ब्रंदि को वेसन ५२ घन ५२ खंड ५२
 सिरवरन वडी पिछी मंगकी ५= चोरीठा ५= घन ५।
 सिरवरन ५३ सुगंधी ॥ खंड ५१॥
 छाछ के वडा उर्दकी दाल ५१ घन ५॥ दही ५५
 मीठे शाक की खंड ५॥ प्रंकुर के मंग ५८

अंशो-५ करी =

अस्मादमुदी ३ श्रीमधुरसजीफेणमदिनआदिनगोपातबहभभ भेदा ५॥ सुत ५॥॥ खोनु ५१॥

सकेरवोपराकीजिलेवी यामंगमेसोसंख्याभोगमे
छोकिबेकेन्यारेराखिलेने ऊपरतिरवीउत्सवभोग
कीसामगनीमेसोमढरी गंदा लडुवा इसरेदिनके
खीचरीकेबाराके गोपालवदत्रभसुद्धाराखिलेने

प्रसाद सुदी ६ कश्भाष्टकोउत्सव
गोपालबहन्नभमेमनोहरकेलडुवा मेदाधोयोऽ॥
चोरिवाऽ॥ घृतऽ॥॥ खांडऽ२॥ वरासवा-२ कणोऽ=
मीठेशाककीरवांडऽ॥ सांवकोसंध्याप्रान्तीसमे
ठाकुरजीसेननिवारीमेजासुवनानकेवंगलामेवि
राजेसोसध्याभोगकेसगमेअधिकीकेभोगदही
कोसवकेलडुवा मेदाऽ१ घृतऽ१ खांडऽ२ सुगं
धीनो॥॥ कणोऽ= मेदाकपूरी मेदाऽ॥॥ घृतऽ=
फोकाविसनऽ॥॥ घृतऽ१= बालनीमेवादेअप्राना
भर आमकोबिलमाह घेकीदार सध्यामंगपापासेर
अमरस फलफलादिमेव प्रवानुलसीसंरबोद
कधपदीपहोई

प्रसादसुदी १० वेगनदसमी
तादिनरसोईवालभोगमे सवजगेवेगनकेसाकत-भर्ता
त-भरताकेगुतात-मुजेनासववेगन के-प्रावे

श्रीकोज . वि . तादिनगोपालबह्व्रभमेदाऽ॥।। दृत्तऽ॥।। खंडऽ१॥ सुगंधीमो - ॥७॥ करणोऽ =

अ-सु-५ तादिनलालजीष्वीपुकंदस्व

गराकोमेदा ॥ घन सेर ॥ बालभोगमेनधाइतनेई
रसोईमे

असाहसुदी १५

गोपालवदत्रभमे लाटाकेलाइ चिरोजी ॥ १ खांड ॥ २
वरासवाल २ कचोरी उर्दकी दाल ॥ १ मेदा ॥ १ घन ॥ १
मोठेशाक कीर खांड ॥ १

आबरगनद १ बा २ हिडोराविरजे

तादिन गोपालवदत्रभमेदीकेलहुवा बेसन ॥ १ घन
॥ १ खांड ॥ २ द्राव ॥ २ कणी ॥ २ केसर तो ॥ १

मोठेशाक कीर खांड ॥ १ हिडोराभेभोग मकरपारमेदा
सेर ॥ २ घन ॥ २ खांड ॥ २

आबराग वद २ तादिन रजो दानगोकेय

रसो श्रीवालकषाजी श्रीकाकावदत्रभमेद्वरपधारे
सोपाटोत्सव तथा श्रीबिठलरायजीको उत्सव तदि

गोपालवदत्रभमेजलेबी मेदा ॥ १ घन ॥ १ खांड

॥ २ केसर तो ॥ १ दूसरो गोपालवदत्रभमेवकेलहुवा

मेदा ॥ १ घन ॥ १ खांड ॥ १ सुगंधी तो ॥ १ कणी ॥ २

दूजकेदिन हिडोराविरजे नोतीन्योगोपालवदत्रभ

भेलेप्रावे

आवरागवदी ४ श्रीदामोदरजीनानजीकोउत्सव
गोपालवहत्रभमेसेवकेलडुवा मेदा ॥ घन ॥ खंड
३५१॥ सुगंधीतो-॥ करणी ५ =

आवरागसुदी ३ श्रीठकुरानीजी
नादिनदादाजीश्रीदामोदरजीकोजन्मउत्सव

आवरागवदी ३० हरियाली ५ भावस
नादिन फड़ फड़ीयामंग अनोसरमे रानक ॥ =

आ-सु- ३ श्रीठकुरानीजीदादाजीश्रीदामोदरजीको
जन्मउत्सव नादिनगोपालवहत्रभमेसेवकेलडु
वा मेदा ॥ घन ॥ खंड ५२॥ करणी ५ =

सुगंधी तो- ॥ केसर ॥ इरागोपालवहत्रभ
जलेवीकेमदा ॥ घन ॥ खंड ५२॥ केसर ॥
राजमेगमचिरोजीकेलडुवा चिरोजी ५० = नाकीखंड
सेर ५१॥ मोदीककीखंड ५२

आवरागसुद ५ सांगपंचमी

गोपालवहत्रभसेवकेलडुवा मेदा ॥ घन ॥ खंड
३५१॥ सुगंधीतो-॥ करणी ५ =

थलीकोरवा ५९ घन ५९ खंड ५२ सुगंधीतो-॥
वरास ३ भर द्राख ५ =

सेवकीरबोरि ताकोइध ५४ सेव ५। खांड ५॥ सुगंधी ॥

मीदेशककीरबांड ५॥

आवरासुद ८ श्रीबालकृष्णलालजीकोड-

तादिनवारतथांगोपालवहनभबंदीकेलजुवा वेसन

५३॥ घन ५३॥ खांड ५१। करणी ५। द्वारन ५। सुगंधी

तो-३ केसर तो-१॥ मीदेशककीरबांड ५॥

आवरासुद ९ वगीचाकोडत्सव

गोपालवहनभमे मनोहरकेलजुवा धोयोमेदा ५॥

चोरीठा ५ घन ५॥ खांड ५२। करणी ५= बरसबाछ २

मीदेशककीरबांड ५॥ अवडत्सवकीसामग्री

चद्रकला मेदा ५॥ घन ५१ चोरीठा ५= करणी ५= खांड

५३ बरसबाछ २

मोरवनवडा मेदा ५॥ घन ५१ चोरीठा ५= मोरवन ५॥ बरा

५१ सुगंधी तो-१

सिरवरनबरी मगकीपिछी ५= चोरीठा ५= घन ५। खांड

५१॥ सिरवरन ५३ सुगंधी १

मेदाकीपूरी मेदा ५१ घन ५॥

दहीवडा दालउदकी ५॥ घन ५। दही ५३ मीदेशककीरबांड ५॥

फीकीकचोरी उदकीदाल ५॥ मेदा ५१ घन ५॥

फीके गंठा हरेछोला ५२ मेदा ५१ घृत ५॥

२८ संजावकीरवीरि दूध ५४ रवा ५ = खंड ५॥ सुगंधी ॥

भ्रजेमेवा वदामः ५। पिप्पला ५। चारोली ५। मूत्र कोल्हाके

बीज ५। खरकृगाकेबीज ५। मरवाना ५ =

चना फड़फड़ोया चना ५॥ चनाकीदर ५॥ घृत ५॥

श्रावणसुद ११ पवित्रा

गोपालवह्नभमेमनोहरकेलुङ्गा मेदा ५॥ घृत ५॥

चोरीठा ५। खंड ५२। बरालवाल ३ करगी ५ =

खीरकोदूध ५४ चोखा ५ = खंड ५॥ सुगंधी ॥

वडाकीघाघ उर्दकीदण्ड ५॥ घृत ५। दही ५३

मोहेशाककीखंड ५॥ उत्सवभोगमसकरपारा

मेदा ५२ घृत ५२ खंड ५२

श्रावणसुद १२ श्रीलालजीश्रीगोपीनाथजीकोजन्म

नारायण

गोपालवह्नभमेमेवकेलाडू मेदा ५२ घृत ५२ खंड ५२

सुगंधीतो. ५॥ करगी ५। मोहेशाककीखंड ५॥

श्रावणसुद १३ चनुरानागदेमनोर्ध्व

तादिनगोपालवह्नभमेसीरा चन ५॥ घृत ५॥ खंड

५१॥ सुगंधीतो. ॥ शाककंटोलाकोप्रारोगे

श्रावणसुद १४ श्रीविठ्ठलरायजीकोजन्मोत्सव

वारोतयांगोपालवदत्रभ बंदी तथा जलेबी ताको मेदा
 धोयो ५२ घृत ५४ बेसन ५२ खांड ५२ केसर तो ॥
 मीठे शाक की खांड सेर ५॥ हंडी मलड़ा अधिक मे
 खीरे दूध ५४ चोरवा ५२ खांड ५॥ सुगंधी ॥
 छाछ वड़ा उर्दकी दाल ५॥ घृत ५१ दही ५३

आवरा सुद १५ राखी पन्थों श्रीगुसांईजी के नां
 तीवरे श्रीदामोदरजी को उत्सव वारातयांगोपालवदत्र
 भ बंदी जलेबी को मेदा धोयो ५२ बेसन ५२ घृत ५४
 खांड ५२ केसर तो ॥ खीर को दूध ५४ चोरवा ५२ खांड
 ५॥ सुगंधी तो ॥
 वड़ा की छाछ तथा उर्दकी ५॥ घृत ५१ दही ५३
 मीठे शाक की खांड ५॥ राखी के भोग में गोखरा पड़ी
 मेदा ५॥ घृत ५॥ खांड ५१ सुगंधी ॥

भादो आवरा वदी ५ दीकत के अंगार
 तादिन गोपालवदत्रभ मे मनोहर केल डुवा मेदा ५॥
 चौराठा ५१ घृत ५॥ खांड ५२ सुगंधी वरास्वा-२ क
 शी ५२ भादो वदी ६
 गोपालवदत्रभ मे मेवादी मेदा ५॥ घृत ५॥ वदाम ५१ पि
 स्ता ५१ चारेली ५१ दारु ५१ करगी ५॥ सुगंधी ॥ खांड ५१
 पागवे की

भादोवदी ७

२८

तादिनगोपालवहन्नममेधेवर मेदाधोयोऽ१ घनऽ१
खांडऽ२। वरास बाल २ सेनभोगमेधकीकेभोगकी
चपरीयाखाजा मेदाऽ२॥ घनऽ२॥
मेदाकीपरी मेदाऽ१॥ घनऽ१॥

श्रुती रवाऽ१ घनऽ१ खांडऽ२ द्वायऽ२
संजावकीरवीरि द्वायऽ४ खांडऽ१॥ रवाऽ२=सुगंधी॥
सोठकीवकनीउभर वकनाभुजेनात्रियाके

Brihanmandiradhishwari

Shrimad Gokulnathiji Maharaj

www.vallabhacharya-agrahara.org

www.vallabhacharyakrupa.org